सोमवार

18 मई 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 114
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मुख्यमंत्री ने 4 अत्याधुनिक एम्बुलेंस का किया फ्लैग ऑफ

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एचडीएफसी बैंक द्वारा प्रदत्त चार अत्याधुनिक एम्बलेंस का फ्लैग ऑफ किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से एचडीएफसी बैंक की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत जनहित के लिए प्रदान की गई 4 अत्याधुनिक एम्बुलेंस का फ्लैग ऑफ किया। यह पहल राज्य के दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। निजी संस्थाओं द्वारा जनहित में किया जा रहा सहयोग सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में समय पर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। एचडीएफसी बैंक द्वारा सीएसआर के माध्यम से उपलब्ध कराई गईं ये एम्बुलेंस जरूरतमंद लोगों तक त्वरित चिकित्सा सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। राज्य सरकार जनभागीदारी एवं संस्थागत सहयोग के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने एचडीएफसी बैंक की इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि बड़े धार्मिक आयोजनों, आपदा की स्थितियों तथा दूरस्थ क्षेत्रों में ऐसी सेवाएं अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने राज्य के अन्य पर्वतीय जनपदों और आगामी हरिद्वार कुंभ के लिए भी एचडीएफसी बैंक से सीएसआर के माध्यम से और एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की अपेक्षा की है। बैंक अधिकारियों ने अवगत कराया कि इन एम्बुलेंस में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं एवं आवश्यक आपातकालीन उपकरण उपलब्ध हैं, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा। साथ ही आगामी तीन वर्षों तक प्रत्येक एम्बुलेंस में चिकित्सक, नर्स, अटेंडेंट एवं चालक की व्यवस्था भी बैंक द्वारा सुनिश्चित की जाएगी।प्रारंभिक चरण में ये एम्बुलेंस चमोली, चंपावत, पिथौरागढ़ एवं रुद्रप्रयाग जनपदों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगी तथा भविष्य में राज्य के प्रमुख धार्मिक आयोजनों एवं आपदा प्रबंधन कार्यों में भी इनका उपयोग किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक राजकुमार पोरी, विनोद कंडारी,अपर सचिव मनमोहन मैनाली, एचडीएफसी बैंक के से मुस्कान सिंह (ब्रांच बैंकिंग हेड- नॉर्थ 3), संजीव कौशिक (रीजनल हेड- नॉर्थ 3), जोनल हेड उत्तराखंड बकुल सिक्का, स्टेट हेड उत्तराखंड गौरव जैन एवं आयुष सिंघल मौजूद थे।

सडकों पर दौड रहे हैं यमराज!

●दून की सड़कों पर जुगाड मालवाहक वाहनों की आयी बाढ़

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून की सड़कों पर जुगाड मालवाहक वाहनों की बाढ़ आ गयी है। प्रशासन व सम्बन्धित विभाग की शायद कार्यवाही तब होगी वह भी कुछ दिन के लिए,जब यह यमराज किसी की जान ले लेगा।

बता दें कि राजधानी देहरादून में बीते कई वर्षो से जाम व सड़क हादसों की बाढ़ सी आयी हुई है। सम्बन्धित विभाग व प्रशासन हर बार दावे करता है कि वह शहर से जाम व सड़क हादसों का यह क्रम जल्द ही दूर कर देगा। लेकिन वह अपने वायदों में कामयाब नही हो पा रहा है। ऐसा इसलिये है कि क्योंकि यातायात से सम्बन्धित विभाग अपने काम को सही व सूचारू ढंग से नही कर पा रहे है। जबकि इन विभागों

के अधिकारी हर समय दावा करने से पीछे नहीं हटते है कि वह जल्द इन समस्याओं का समाधान कर देगें। सड़क हादसे कैसे हो सकते है इसका ताजा उदाहरण सड़क के बीचोबीच यह तस्वीर देखकर लगाया जा सकता है। जिसमें जुगाड़ वाहन बिना कागजो के सड़क पर लोडर वाहनो की तरह दौड़ रहे है।

बता दे कि यह वाहन कई चौराहों से होकर आया होगा लेकिन किसी ने इसको रोका नही। 2 मीटर के तथाकथित वाहन पर 6 मीटर की खतरनाक लोहा यही नही मोबाइल पर भी लगा ,जैसे ही अचानक रोकेगा, पीछे बाला वाहन इसमें समा जायेगा,यह स्थिति तब होगी जब आगे बाला अचानक रोकेगा तो वह इसमें समा जायेगा,इसका कुछ नही बिगड़गा। प्रशासन की समझ में यह कब आयेगा, सोचनीय सवाल है।

दून वैली मेल

संपादकीय

मोदी है तो सब मुमकिन है

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सत्ता संभालने से ही जिस तरह बड़ी-बड़ी बातें, वायदे और दावे किए भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'मोदी है तो मुमकिन है' के नारे के जरिए इसे इस कदर हवा दी गई कि देश के लोग तो भ्रमित हो ही गए खुद नरेंद्र मोदी भी स्वयं की उत्पत्ति को नॉन बायोलॉजिक घोषित की भ्रांति का शिकार हो गए। सत्ता के शीर्ष पर बैठे किसी व्यक्ति को अगर अपने भगवान होने का भरम पैदा हो जाए तो इसके क्या परिणाम होंगे वर्तमान की राजनीतिक और सामाजिक स्थितियां इसकी गवाही दे रही है हास्यास्पद बात यह है कि देश पर आए बड़े आर्थिक संकट की बात कहकर और राष्ट्रवाद के नाम पर जनता से अपने सुख तथा संसाधनों के त्याग की अपील करने के बाद पांच देशों की यात्रा पर निकले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीदरलैंड में लोगों को संबोधित करते हुए जिस तरह भारत के विकास और देश के युवाओं के लिए लिमिटलेस एफर्ट का उपदेश दिया और भारत के विश्व गुरु होने की बात कही उस पर भले ही नीदरलैंड के लोग तालियां बजा रहे हो लेकिन देश के लोग उनका मजाक बना रहे हैं। लोग सोच रहे हैं कि पीएम मोदी कैसे इतने बड़े-बड़े झूठ बोल लेते हैं? एक तरफ देश के युवा रोजगार के लिए धक्के खा रहे हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सरकारी सेवाओं के लिए होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं और युवा आत्महत्याए करने पर मजबूर हो रहे हैं? अभी-अभी नीट की परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने से कोहराम मचा हुआ है। गोवा के एक छात्र ने आत्महत्या से पूर्व अपने सुसाइड नोट में लिखा है कि अब वह कोई प्रतियोगी परीक्षा नहीं देगा। इस छात्र का यह अंतिम प्रयास था जो पेपर लीक होने के कारण रद्द की गई परीक्षा के वजह से बेकार चला गया उसका दर्द न तो सरकार समझ सकी न ही वह सिस्टम जो भाजपा की सरकार द्वारा बनाया गया है। उसके परिवार का दर्द जिसने अपने 22 साल के पढ़े लिखे बच्चे को खो दिया प्रधानमंत्री मोदी का भाषण जले पर नमक छिड़कने से कम नहीं है। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने नीट की परीक्षा रद्द किए जाने और पेपर लीक मामले को लेकर अपने एक्स हैंडल पर जो पोस्ट लिखी गई है काबिले गौर है अब तक 80 से अधिक प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की बात लिखते हुए उनके द्वारा भाजपा तथा संघ द्वारा तैयार किए गए उस नेक्सस पर उन्होंने तीखा वार किया है जिसने देश के एजुकेशन सिस्टम और प्रतियोगी परीक्षा को कमाई का धंधा बना दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को 2 करोड़ हर साल रोजगार देने का वायदा किया था लेकिन वह 2 लाख को भी रोजगार नहीं दे सके हैं। कांग्रेस के नेता दिग्विजय सिंह ने सबसे पहले उन्हें जब फेकू प्रधानमंत्री कहा था तब तमाम भाजपा के नेताओं ने इसे प्रधानमंत्री की शान में गुस्ताखी बताया था। लेकिन अब सोशल मीडिया पर पीएम के झूठों की फेहरिस्त देखी जा सकती है सब कुछ सबके सामने है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भले ही भाजपा चुनाव दर चुनाव जीत रही हो लेकिन अब उनकी कितनी विश्वसनीयता शेष बची है? इसे अब भाजपा के नेता भी जान चुके हैं जनता की बात तो छोड़ ही दीजिए। हैरता की बात यह है कि उनके द्वारा अभी भी लंबी-लंबी फेंकने में कोई कमी नहीं की जा रही। विकसित भारत और पांच ट्रिपलिन वाली इकोनामी तथा युवाओं के युक्त देश की तस्वीर। इससे बड़ी और दूसरी कोई विडंबना भला क्या हो सकती है। यह भी इसलिए संभव है क्योंकि मोदी है तो मुमकिन है।

इंटक कार्यकारणी की अहम बैठक सम्पन्न

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रदेश अध्यक्ष इंटक हीरा सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में इंटक कार्यालय में इंटक कार्यकारिणी की एक अहम बैठक आयोजित हुई। जिसमें कई अहम फैसले लिये गये। इन फैसलों की जानकारी देते हुए प्रदेश कार्यालय प्रभारी विक्टर थॉमस ने बताया कि इंटक प्रदेश अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट के निर्देश पर श्रमिकों की प्रमुख मांगों को लेकर मुख्य सचिव से एक इंटक का प्रतिनिधि मंडल मुलाकात करेगा और अगर सरकार मजदूरों की जायज में मांगों पर विचार नहीं करती तो प्रदेश इंटक उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होगी।

बैठक में प्रदेश एवं जिले के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिनमें वीरेंद्र सिंह नेगी, तनवीर आलम, बृजेश कुमार, ऋषि राम पेनोली, विनोद कुमार कवि, हिमांशु नेगी, कलीम अहमद व राकेश शर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

विस चुनाव 2027 के संभावित मुद्दे (भाग-11)

विधानसभा चुनाव 2027 में महिला वोट बैंक लिखेंगी सत्ता की नई पटकथा

पहाड़ में 'खामोश' क्रांति की 'आहट'

❑काफल के पेड़ों से लेकर बांज के जंगलों तक गूंज रही बदलाव की आहट
❑पहाड़ का पानी और जवानी ही लिखेगी उत्तराखंड का नया सियासी भविष्य
❑देवभूमि की महिलाएं ही विधानसभा चुनाव में बनेगी अनाउंसड किंगमेकर

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ की वादियों में इन दिनों बर्फ भले ही पिघल रही हो, लेकिन सियासत का पारा चढ़ चुका है। उत्तराखंड की राजनीति में सालों से एक घिसा-पिटा जुमला दोहराया जाता थाकृपहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी यहां के काम नहीं आती। लेकिन इस विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड ने इस जुमले को इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिया है। नया नैरेटिव कुमाऊं के काफल के पेड़ों से लेकर गढ़वाल के बांज के जंगलों तक गूंज रहा है और एक खामोश क्रांति की आहट सुनाई दे रही है। इस बार देवभूमि की महिलाएं अब सिर्फ साइलेंट वोटर नहीं बल्कि अनाउंसड किंगमेकर की भूमिका निभाएंगी।

मुझे याद है जब पृथक राज्य आंदोलन चल रहा था उस समय हाथ में दरांती, कंडी और भीमल से बनी रस्सी के साथ आंदोलन में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रही थी। उसी मातृशक्ति के संघर्ष का परिणाम उत्तराखंड राज्य बना, लेकिन राज्य बनने के बाद वह हाशिये पर चली गई। महिलाओं के उस संघर्ष को सभी ने भुला दिया। उत्तराखंड के गांवों में पुरुषों के पलायन के बाद खेती, पशुपालन, पानी, जंगल और परिवार की जिम्मेदारी महिलाओं के कंधों पर है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि राज्य के हजारों गांव आंशिक या पूर्ण पलायन की मार झेल रहे हैं। ऐसे में गांव बचाने की सबसे बड़ी लड़ाई महिलाएं ही लड़ रही हैं। महंगाई, गैस सिलेंडर, बेरोजगारी, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और शराब के खिलाफ आंदोलनों ने महिलाओं के भीतर राजनीतिक चेतना को और तेज किया है।

आज अखबार के पन्नों पर भले ही दावों की चमक हो, लेकिन पहाड़ के गांवों की पगडंडियों पर सन्नाटा और संघर्ष आज भी बरकरार है। गढ़वाल और कुमाऊं के पहाड़ी जिलों में तो महिलाओं की आंखों में उम्मीद के साथ-साथ एक तीखा सवाल भी तैरता दिखता है। पुरुष रोजगार की तलाश में मैदानों का रुख कर चुके हैं। पीछे छूटे गांवों में भूतिया मकानों के बीच अकेली महिलाएं ही खेती, मवेशी, बच्चों की पढ़ाई और बुजुर्गों की दवा का बोझ उठा रही हैं। लेकिन पहाड़ की नीति-नियंताओं ने इन वीरांगनाओं को आज दिन तक दुत्कारा ही है। सरकार लाख दावे कर रही हो, लेकिन यह सच्चाई है कि पहाड़ की वीरांगनाएं आज भी संघर्ष कर रही हैं।

दरअसल पहाड़ की महिलाओं का गुस्सा और संघर्ष विधानसभा चुनाव की राजनीति को प्रभावित कर सकते हैं। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि 2027 का विधानसभा चुनाव केवल भाजपा बनाम कांग्रेस नहीं रहेगा, बल्कि यह महिला विश्वास की लड़ाई भी होगा, जो दल महिलाओं के मुद्दों को सिर्फ घोषणाओं तक सीमित रखेगा, उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। दिलचस्प बात यह भी है कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्रचार के दौर में महिला मतदाता पहले की तुलना में ज्यादा जागरूक और मुखर हुई हैं। गांवों की चौपाल से लेकर मोबाइल स्क्रीन तक अब महिलाएं राजनीतिक बहस का हिस्सा बन रही हैं।

हाल ही में संपन्न हुए पंचायत चुनावों के आंकड़ों ने राजनीतिक विश्लेषकों को अपने केलकुलेटर दोबारा उठाने पर मजबूर किया था। बता दें कि राज्य की लगभग 32 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां महिला वोटरों की संख्या या तो पुरुषों से अधिक है, या उनका वोटिंग टर्नआउट पुरुषों को पछाड़ देता है। यही वजह है कि इस बार दिल्ली से लेकर देहरादून तक के रणनीतिकार महिलाओं के आगे नतमस्तक दिख रहे हैं। 2027 की चुनावी बिसात पर महिला अस्मिता और अधिकार सबसे बड़ा मोहरा बनेगा और भाजपा-कांग्रेसकृखुद को महिलाओं का सबसे बड़ा रक्षक साबित करने की होड़ में दिख रहा हैं।

भाजपा जहां महिला वोट बैंक को साधने के लिए उज्ज्वला योजना, लखपति दीदी, स्वयं सहायता समूह और महिला सशक्तिकरण योजनाओं को बड़ा हथियार बनाएगी। सरकार का दावा है कि राज्य में लाखों महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी बढ़ी है। वहीं कांग्रेस भी खुद को महिलाओं का सबसे बड़ा हितैषी बना रही है।

'पहाड़' के आशियानों से रूठी 'घन्दूणी'

●पत्थर के घर उजड़े, तिबारियां टूटीं तो घन्दूणी ने भी छोड़ दिया आंगन
●पहाड़ के गांवों से घन्दूणी के गायब होने के साथ मिट गई बचपन की यादें
●देवभूमि के उजड़ते गांवों और रिश्तों की सबसे भावुक दास्तान है घन्दूणी
●घन्दूणी का मौन दे रहा पलायन का दंश झेल रहे पहाड़ के गांवों की गवाही

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ के पारंपरिक पत्थरों वाले मकानों की खोली, लकड़ी की नक्काशीदार खिड़कियां और आंगन में सूखता मडुआ... इन सबके बीच जो एक आवाज पहाड़ के सुबह की पहचान हुआ करती थी, वह थीकृचीं-चीं, चूँ-चूँ। उत्तराखंड की लोकभाषा में जिसे बड़े लाड से घन्दूणी कहा जाता है, यानी हमारी अपनी गौरैया। पहाड़ के गांवों में कभी सुबह की शुरुआत घन्दूणी यानी गौरैया की चहचहाहट से होती थी। पत्थर की छतों और लकड़ी की तिबारियों वाले घरों में फुदकती यह छोटी चिड़िया गांव की रौनक मानी जाती थी। लेकिन अब बदलते पहाड़, तेजी से बढ़ते पलायन और आधुनिक निर्माण शैली के बीच घन्दूणी की आवाज भी धीरे-धीरे खामोश पड़ने लगी है।

पहाड़ के लोकगीतों में गौरैया यानी घन्दूणी को मैत की डाकिया कहा गया है। यह चिड़िया इस बात की गवाह है कि पहाड़ का सौंदर्य सिर्फ बर्फबारी और पहाड़ों की ऊंचाई में नहीं, बल्कि इन आंगनों की जीवंतता में है। आज उत्तराखंड के हजारों गांव आज पलायन की मार झेल रहे हैं। रोजगार, शिक्षा और बेहतर

सुविधाओं की तलाश में लोग शहरों की ओर जा रहे हैं, जिन आंगनों में कभी बच्चों की किलकारियां और महिलाओं की आवाजें गूंजती थीं, वहां अब सन्नाटा पसरा है। इसी बदलते माहौल का असर घन्दूणी यानी गौरैया पर भी दिखाई दे रहा है।

मेरे ननिहाल दानकोट गांव के चेतराम बताते हैं कि पहले सुबह होते ही दर्जनों गौरैया आंगन में आती थीं। महिलाएं चावल और झंगोरे के दाने डालती थीं और बच्चे घंटों उन्हें देखते रहते थे। लेकिन अब गांवों में पुराने घर टूट रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट के आधुनिक मकान ले रहे हैं। इन मकानों में ना तो लकड़ी के छज्जे बचे हैं और ना ही छोटी दरारें, जहां गौरैया अपने घोंसले बनाया करती थी।

बुडोली रूद्रप्रयाग के मोहन सिंह कहते हैं कि पहले घन्दूणी की आवाज से लगता था गांव जिंदा है। अब कई दिनों तक उसकी चहचहाहट सुनाई नहीं देती। उनके अनुसार गांवों से पहले लोग गए और अब धीरे-धीरे पक्षी भी गायब होने लगे हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि गौरैया मानव बस्तियों के साथ रहने वाली चिड़िया है। पुराने पहाड़ी घर, गौशालाएं, खुले आंगन और स्थानीय खेती उसके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करते थे। लेकिन आधुनिकता की दौड़ में जैसे-जैसे गांवों की पारंपरिक संरचना खत्म हो रही है, वैसे-वैसे गौरैया का प्राकृतिक संसार भी सिमटता जा रहा है।

पर्यावरणविदों का कहना है कि गौरैया का कम होना केवल एक पक्षी का गायब होना नहीं, बल्कि पहाड़ की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना में आए बदलाव का संकेत है। पहाड़ के

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

पौड़ी में मशरूम उत्पादन शुरू, महिला समूहों को मिला रोजगार

पौड़ी(आरएनएस)। ग्राम्य विकास विभाग की ग्रामोत्थान परियोजना (रीप) के तहत विकासखंड पौड़ी में मशरूम उत्पादन शुरु हो गया है। संकेत स्वायत्त सहकारिता की ओर से स्थापित हिलांस मशरूम इकाई में अब गर्मियों के मौसम में भी ताजा और स्थानीय स्तर पर उत्पादित बटन मशरूम हर समय मिलेगा। इस पहल से महिला समूहों को नियमित रोजगार मिला है।

महिलाएं बैग तैयार करने, स्पॉनिंग, तापमान व नमी प्रबंधन, हार्वेस्टिंग, ग्रेडिंग और पैकेजिंग जैसे कार्यों को कर रही हैं। पौड़ी की अनुकूल जलवायु का लाभ उठाते हुए यहां बटन मशरूम उत्पादन किया जा रहा है। जहां मैदानी क्षेत्रों में गर्मियों के दौरान इसका उत्पादन चुनौतीपूर्ण रहता है वहीं पौड़ी में इसका उत्पादन सफलतापूर्वक किया जाने लगा है। शीतकाल में इसी यूनिट में शिटाके मशरूम उत्पादन की भी योजना है जिससे सालभर उत्पादन जारी रहेगा। रीप परियोजना के सहयोग से तैयार इस इकाई में दो उत्पादन यूनिट स्थापित की गई हैं। पहली यूनिट में 500 बटन मशरूम बैग लगाए गए जिनका सफल उत्पादन शुरू हो चुका है। वर्तमान में प्रतिदिन मशरूम की हार्वेस्टिंग कर स्थानीय बाजार में आपूर्ति की जा रही है। बेमौसमी उत्पादन होने से बाजार में मशरूम की बेहतर कीमत मिल रही है। स्थानीय होटल, रेस्टोरेंट, केटरिंग व्यवसायी और शादी समारोह में इसका खूब इस्तेमाल किया जा रहा है। इकाई ने अब तक एक हफ्ते में 157 किलोग्राम मशरूम बेचा है।

भारी वाहनों के हॉर्न की तेज आवाज से लोग परेशान

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। चारधाम यात्रा के चरम पर होने के कारण जिला मुख्यालय में यातायात का दबाव बढ़ गया है। गुलाबराय मैदान से बाजार क्षेत्र तक यात्री वाहनों के हाई प्रेशर हॉर्न स्थानीय लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन गए हैं। यूकेडी नेता अजीत सिंह, कांग्रेस नेता सूरज नेगी और हिमांशु कंडारी ने बताया कि दिन-रात बजने वाले तेज हॉर्न से बच्चों की पढ़ाई और नवजात शिशुओं को दिक्कतें हो रही हैं।बाजार क्षेत्र में घनी आबादी और अस्पताल होने के कारण मरीजों को भी तेज शोर का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। वहीं पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने कहा कि यातायात नियमों के तहत नियमित चेकिंग जारी है। उन्होंने प्रेशर हॉर्न के मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

महाप्रबंधक ने किया रोडवेज बस स्टैंड का निरीक्षण

हरिद्वार(आरएनएस)। रोडवेज बस स्टैंड पर महा प्रबंधक संचालन क्रांति सिंह और मंडलीय प्रबंधक सुरेश सिंह चौहान ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सहायक महा प्रबंधक विशाल चंद्रा और अन्य अधिकारियों से चारधाम यात्रा संबंधित जानकारी ली और दिशा निर्देश जारी किए। बस स्टैंड पर फैली अव्यवस्थाओं और बसों में फर्स्ट एड बॉक्स नहीं होने पर नाराज़गी भी जताई। निरीक्षण के दौरान टूटी कुर्सी यात्रियों के लिए प्लेटफॉर्म में रखे होने पर उन्होंने कर्मचारियों को हटाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर क्रांति सिंह ने बताया कि रोडवेज भी चारधाम यात्रा पर यात्रियों को सकुशल और सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचा रहा है। अभी तक हजारों यात्रियों को केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री तक पहुंचाया गया है। इसके लिए सभी नई बसें लगाई गई हैं। हरिद्वार डिपो के साथ साथ अन्य डिपो से भी बसें मंगवाई गई हैं। इससे रोडवेज की आय में भी बढ़ोत्तरी होने से कर्मचारी खुश हैं। उन्होंने कहा कि सहायक महा प्रबंधक द्वारा देर तक यात्रियों को बस उपलब्ध करने से यात्रियों को सुविधा हुई है। रोडवेज का किराया निजी बसों से कम है और यात्री उसका लाभ ले रहे हैं।

ऑनलाइन बैठकों के लिए विवि ने जारी की अधिसूचना

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। गढ़वाल विश्वविद्यालय में अब अधिकांश प्रशासनिक व शैक्षणिक बैठकें ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएंगी। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी ने अधिसूचना जारी कर दी है। विवि के इस निर्णय से ईंधन की खपत कम होने के साथ ही विवि के खर्चों में भी कमी आएगी। विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह के निर्देशों पर जारी आदेश में कहा गया है कि ईंधन संरक्षण व पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के लिए किए गए आह्वान के अनुपालन में 20 मई 2026 के बाद निर्धारित सभी ऐसी बैठकें जिनमें बाहरी विशेषज्ञों व सदस्यों की यात्रा आवश्यक होती हैं, अगले आदेश तक वर्चुअल माध्यम से आयोजित की जाएंगी। बताया कि गढ़वाल विवि कि बोर्ड आफ स्टडी (बीओएस), विद्यालय बोर्ड, विद्या परिषद, कार्य परिषद, वित्त समिति, चयन समितियों, विभागीय समितियों समेत अन्य समान प्रकृति की बैठकों को ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से संचालित किया जाएगा। कहा यदि किसी अपरिहार्य व असाधारण परिस्थिति में बाहरी प्रतिभागियों की शारीरिक उपस्थिति आवश्यक हो तो इसके लिए सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा।

कुंभ मेला 2027: मेलाधिकारी ने बस स्टेशन एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

हरिद्वार(आरएनएस)। कुंभ मेला 2027 को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और श्रद्धालु हितैषी बनाने की दिशा में मेला प्रशासन ने कुंभ नगरी के प्रमुख परिवहन केंद्रों को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में मेलाधिकारी सोनिका ने हरिद्वार स्थित उत्तराखंड परिवहन निगम के बस स्टेशन, उससे जुड़े मार्गों और आसपास के क्षेत्रों का विस्तृत निरीक्षण कर मौजूदा व्यवस्थाओं तथा प्रस्तावित कार्यों का जायजा लिया। मेलाधिकारी ने बस स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर देते हुए परिवहन निगम को इस संबंध में तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था विकसित करने, यात्री सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा आकस्मिक परिस्थितियों में निकासी योजना के तहत वैकल्पिक मार्ग तैयार करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने कहा कि कुंभ मेले को देखते हुए हरिद्वार बस अड्डे की आधारभूत संरचना को मजबूत करना, यात्री सुविधाओं का विस्तार करना आवश्यक है। इसके लिए परिवहन निगम के स्तर से की जाने वाली व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए मेलाधिकारी ने कहा कि बस स्टेशन के सुदृढ़ीकरण एवं सुविधाओं के विस्तार के लिए कुंभ मेला मद से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

मेलाधिकारी ने बस स्टेशन परिसर की मौजूदा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि यहां स्वच्छता, यात्री प्रतीक्षालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सूचना प्रणाली और यात्री आवागमन को अधिक सुव्यवस्थित बनाया जाए। उन्होंने कहा कि कुंभ जैसे विशाल आयोजन में श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सहज और सुविधाजनक अनुभव उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बस अड्डे के आसपास से अतिक्रमण को हटाने के निर्देश देते हुए कहा कि यात्रियों के सुरक्षित पैदल आवागमन के लिए अलग से गेट की व्यवस्था की जाए।

बस स्टेशन से सटी नगर निगम की भूमि का निरीक्षण करते हुए मेलाधिकारी ने कहा कि यहां बड़े स्तर पर होल्डिंग एरिया और जनसुविधा केंद्र विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन के निकट स्थित होने के कारण यह क्षेत्र कुंभ मेले के दौरान भीड़ नियंत्रण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने आकस्मिकता निकासी की तैयारियों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बस स्टेशन से तुलसी चौक की ओर वैकल्पिक निकासी मार्ग विकसित करने की संभावनाओं का तकनीकी परीक्षण कर विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जाए।

मेलाधिकारी ने शिवमूर्ति चौक, तुलसी चौक और मायापुर रोड क्षेत्र का भी निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को ट्रैफिक प्रबंधन की समग्र योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने मायापुर रोड के सुधार तथा पार्किंग व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर भी जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान अपर मेला अधिकारी दयानंद सरस्वती, उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह, तकनीकी सेल के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार, ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता दिनेश कुमार, उत्तराखंड परिवहन निगम के महाप्रबंधक संचालन क्रांति सिंह, उप महाप्रबंधक संचालन एवं कुंभ नोडल अधिकारी सुरेश सिंह चौहान, सहायक महाप्रबंधक विशाल चंद्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं के लिए की चैंबर निर्माण की मांग

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। बार एसोसिएशन श्रीनगर के संरक्षक अनूप श्री पांथरी ने देहरादून स्थित कैंप कार्यालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने बार एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ताओं के लिए चैंबर निर्माण, फर्नीचर, पुस्तकालय के लिए कानूनी पुस्तकों और आवासीय परिसर की मांग को लेकर ज्ञापन भी सौंपा। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री के जनकल्याणकारी कार्यों, समान नागरिक संहिता और नकल विरोधी कानून की सराहना की। उन्होंने पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और असम में भाजपा की जीत पर बधाई देते हुए श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में कैथ लैब शुरू होने तथा 277 कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन मिलने पर आभार जताया।

नीट पेपर लीक और पेट्रोल-डीजल कीमतों को लेकर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिद्वार(आरएनएस)। युवा कांग्रेस ने नीट पेपर लीक प्रकरण और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर देवपुरा चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। महानगर अध्यक्ष अंकुर सैनी और जिला उपाध्यक्ष ग्रामीण गौरव चौहान के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बर्खास्तगी की मांग उठाई। इस दौरान कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा, ज्वालापुर विधायक रवि बहादुर और सोम त्यागी ने कहा कि नीट पेपर लीक से लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा माफिया, कोचिंग सेंटर और अधिकारियों की मिलीभगत से पेपर लीक जैसे मामले बढ़ रहे हैं। कांग्रेस के नेता मनोज सैनी, पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष रवीश भटीजा और विकास चंद्रा ने मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराने और जेपीसी गठन की मांग की। रानीपुर विधानसभा अध्यक्ष सौरव सैनी, सागर बेनीवाल और मनोज जाटव ने प्रभावित छात्रों को 10-10 हजार रुपये सहायता देने की मांग उठाई। राजबीर चौहान, यशवंत सैनी, विमला पाण्डे, संजय सैनी और सार्थक ठाकुर ने भाजपा सरकार पर युवाओं और छात्रों की अनदेखी का आरोप लगाया। प्रदर्शन में समीर अंसारी, विशाल प्रधान, नितेश कुमार, दीपक कोरी, राजेंद्र श्रीवास्तव, सुषमा सहगल, अनंत पांडेय, अजय गुजर, राहुल चौहान, शिवम बाल्मीकि समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के तहत मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने संबंधित अधिकारियों और नोडल अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ संपन्न कराया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रत्येक चरण की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 29 मई से 7 जून तक गणना प्रपत्रों की छपाई और कार्मिकों के प्रशिक्षण का कार्य किया जाएगा। इसके बाद 8 जून से 7 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण और संग्रहण करेंगे। जिलाधिकारी ने सभी निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को अधीनस्थ बीएलओ का प्रशिक्षण समय से पूरा कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए मतदाता सूची का शुद्ध और त्रुटिरहित होना बेहद जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाएं तथा शिकायतों और त्रुटियों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित हो। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि 14 जुलाई को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि 14 जुलाई से 13 अगस्त तक निर्धारित की गई है। वहीं दावे-आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया जुलाई से 11 सितंबर तक चलेगी और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 15 सितंबर को किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि जिन क्षेत्रों में मतदाताओं की मैपिंग का कार्य शेष है, उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा, उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार, उपजिलाधिकारी भनोली सौम्या गर्ब्याल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। दूरस्थ क्षेत्रों के अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में प्रतिभाग किया।

पीलिया के रोगी जरूर खाएं रसगुल्ला, इसके होंगे फायदे

अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छी डाइट लेना बहुत जरूरी है। डाइट में प्रोटीन का होना बहुत जरूरी है क्योंकि शरीर में इससे नई कोशिकाओं का निर्माण होता है। प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों की बात की जाए तो रसगुल्ला भी प्रोटीन से भरपूर होता है। रसगुल्ला पसंदीदा मिठाई होने के साथ ही एक बेहतरीन प्रोटीन सोर्स भी है, इसलिए अगर आप मिठाई खाना पसंद करते हैं तो रसगुल्ला एक बढ़िया विकल्प हो सकता है।पीलिया को कम करने में रसगुल्ला काफी मदद करता है। आइए जानते हैं रसगुल्ला खाने के फायदों के बारे में।।।

रसगुल्ला कम कैलोरी वाली मिठाइयों में शामिल है। 100 ग्राम रसगुल्ले में 153 कैलोरी कार्बोहाइड्रेट, 17 कैलोरी फैट और 16 कैलोरी प्रोटीन होता है। रसगुल्ला एनर्जी से भरपूर होता है। इसके अतिरिक्त रसगुल्ले में भरपूर लैक्टोएसिड और केसिन पाया जाता है, जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है।

पीलिया में लाभकारी होता है रसगुल्ला

बहुत से लोगों को इस बात की जानकारी नहीं है कि पीलिया में रसगुल्ला बहुत फायदेमंद होता है। जिस व्यक्ति को पीलिया है, यदि वह रोज सुबह एक रसगुल्ला खाएगा तो उसका पीलिया धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा।

आंखों का पीलापन दूर करता है

जिन लोगों की आंखें हमेशा पीली नजर आती है और आंखों में जलन की समस्या बनी रहती है। उनके लिए भी रसगुल्ला लाभदायक होता है। इसके लिए नियमित रूप से रोज एक रसगुल्ले का सेवन करें। आंखें अच्छी रहेंगी और आंखों का पीलापन कम होगा और जलन की समस्या भी दूर होगी।

कैल्शियम का अच्छा विकल्प है रसगुल्ला

रसगुल्ला दूध के छैने से बनता है। दूध के छैने में काफी मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए रसगुल्ले के नियमित सेवन से हड्डियां भी मजबूत होती है। वहीं बुढ़ापे में हड्डियां घिस जाने या जोड़ों में दर्द होने जैसी समस्या भी नहीं रहती है।

यूरिन में जलन की समस्या नहीं होती

यूरिन में जलन की समस्या जिन लोगों को अधिकतर बनी रहती है। वे लोग भी यदि रोज रसगुल्ला खाते हैं, तो उनकी यह समस्या जल्द ही ठीक हो जाएगी। रसगुल्ला ठंडी तासीर का होता है।

गर्भवती के लिए भी होता है फायदेमंद

गर्भवती महिलाओं के शिशु का वजन बढ़ाने के लिए भी अक्सर गाइनोकोलोजिस्ट रसगुल्ला खाने की सलाह देते हैं, इसलिए गर्भवती महिलाओं को भी रोज रसगुल्ला खाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि रसगुल्ला खाने से गर्भवती महिलाओं की सेहत ठीक रहती है।

रसगुल्ला खाएं तो इन बातों की रखें सावधानी

गर्भवती महिलाओं को रोज दो रसगुल्ले से ज्यादा का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे उन्हें डायबिटीज हो सकती है। रसगुल्ला खाने के बाद महिलाओं को रोज थोड़ा पैदल जरूर चलना चाहिए।

नहीं पड़ेगी महंगी क्रीम की जरूरत, अगर सुबह-शाम चेहरे पर मारेंगी ठंडा पानी

हम सभी सुबह उठकर सबसे पहले अपना चेहरा धोते हैं। चेहरे को धोना और उसकी साफ-सफाई के लिए हम कुछ खास बातों का भी ध्यान रखते हैं। कई लोग अपने चेहरे को गर्म पानी से तो कई लोग ठंडे पानी से धोते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि चेहरे को ठंडे पानी से धोने पर स्किन को कितने फायदे मिलते हैं।

इस बात में कोई शक नहीं है कि गर्म पानी से मुंह धुलने में बड़ा आनंद आता है, मगर इससे स्किन को काफी नुकसान पहुंचता है। वहीं, एक्सपर्ट मानते हैं कि चेहरे को रोज ठंडे पानी से धोया जाना चाहिए। ऐसा करने से आपको कभी भी स्किन केयर प्रोडक्ट की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। अगर आप सोच रही हैं कि इससे क्या-क्या फायदे मिलेंगे, तो यहां पढ़ें।।।

चेहरे को ठंडे पानी से धोने के फायदे

सूजन दूर करे

रातभर स्किन पर जमा हुए तेल को ठंडे पानी के छींटे से दूर किया जा सकता है। यही नहीं अगर आपका चेहरा सुबह सोकर उठने पर सूजा रहता है, तो वह भी ठंडे पानी से मुंह धोने पर ठीक हो जाता है।

स्किन बनें जवां

ठंडे पानी से चेहरा धोने से आप जवान दिखते हैं। यह ठीक उसी तरह से है, जब आप अपने चेहरे पर आइस क्यूब रगड़ते हैं। चेहरे को ठंडे पानी से धोने पर फाइन लाइन्स और झुर्रियां काफी हद तक कम हो सकती हैं।

त्वचा पर ग्लो लाए

यह त्वचा को निखारने में भी मदद करता है और सुस्ती को दूर रखता है। यही कारण है कि हमारे बड़े कहते हैं कि जब आप सुबह आपकी नींद न खुले, तो मुंह पर थोड़ा सा ठंडा पानी मार लेना चाहिए। ऐसा करने से आपकी त्वचा में अधिक ब्लड सर्कुलेशन शुरू हो जाता है।

टोनर की तरह काम करे

ठंडा पानी भी गुलाब जल की तरह ही प्राकृतिक टोनर का काम करता है। इसलिए, यदि आपके पास घर पर टोनर नहीं है, तो आप हमेशा अपने चेहरे को धोने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्या आपको भी है ईयरफोन से गाने सुनने की आदत ?

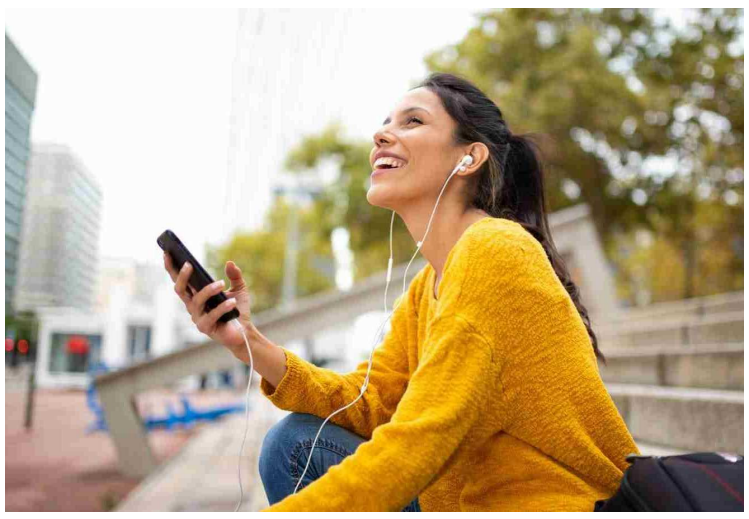

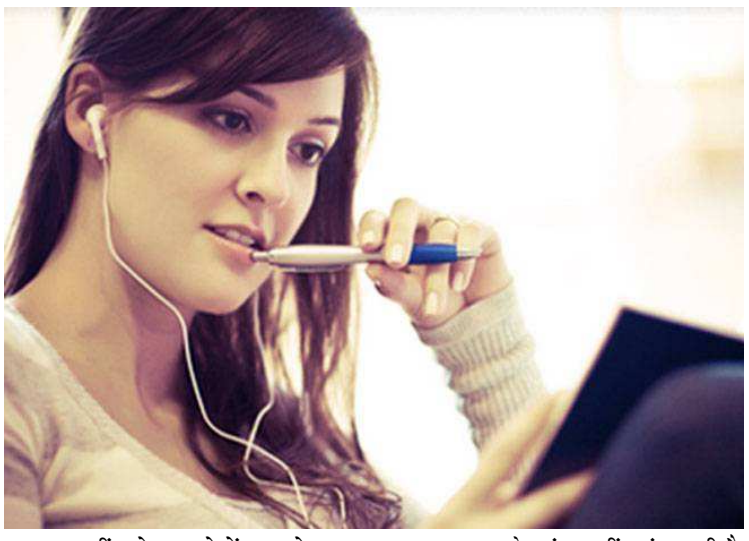

बहुत तेज आवाज में ईयरफोन या हेडफोन से गाने सुनने की आपकी आदत न केवल सुनने की क्षमता कम कर सकती है, बल्कि यह दुर्घटना की भी वजह बन जाती है। आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, जिसमें ईयरफोन लगाए टीनेजर्स ऐक्सीडेंट का शिकार हो जाते हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि ईयरफोन का लगातार यूज करने से सुनने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इससे सुनने की क्षमता 40 से 50 डेसिबेल तक कम हो जाती है। इसीलिए ज्यादा तेज आवाज में गाना नहीं सुनना चाहिए। इससे आपके कान के पर्दे में कंपन होता है, जिसके कारण धीरे-धीरे आपको दूर की आवाजें सुनाई देना बंद हो जाती है। आपको बहरापन भी हो सकता है।

डॉक्टरों का कहना है कि तेज आवाज कान के अंदर के स्ट्रक्चर को डैमेज करती है, जिससे ब्रेन को सही सिग्नल मिलना धीरे-धीरे कम होने लगता है। लंबे समय तक तेज आवाज में गाने सुनने की आदत से कान के अंदर का कवरिंग भी डैमेज हो जाता है और सुनने की क्षमता कम होने लगती है। ऐसा आजकल के युवाओं में काफी देखी जा रही है।

डॉक्टर का कहना है कि 60:60 फॉर्म्युला यूज करने की आदत डालें। अगर म्यूजिक सुनते हैं तो साउंड लेवल को 60 पर्सेंट से ज्यादा नहीं करें और पूरे दिन-रात में 60 मिनट से ज्यादा ईयरफोन का इस्तेमाल नहीं करें। इसलिए जहां तक संभव हो, ईयरफोन कम वॉल्यूम में सुनें, आवाज को 60 पर्सेंट से कम रखें। चाइनीज या लोकल मोबाइल हो, तो 40-50 पर्सेंट के बीच ही साउंड लेवल रखना चाहिए।

कम सुनने की बीमारी

20-35 वर्ष के युवाओं में ईयरफोन का उपयोग करने की आदत बढ़ती जा रही है। कई बार एक कान से सुनना कम हो जाता है। जानकारी के अभाव में शुरुआती दौर में तेज आवाज से उपजी बीमारी को पहचान नहीं पाते। तब दोनों कान से सुनना कम हो जाता है या कान में सीटी की आवाज सुनाई देने लगती है। ऐसी स्थिति हो तो तुरंत अस्पताल जाकर इलाज कराएं वरना सुनना बंद हो सकता है।

डॉक्टर का कहना है कि अक्सर रात में कान में हेडफोन लगाकर गाना सुनते-सुनते लोग सो जाते हैं। यह बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि लंबे समय तक कानों को डिस्टर्बेंस होती है। इसके अलावा अगर घर से बाहर हैं या सड़क के किनारे चल रहे हैं तो हाई साउंड लेवल की वजह से बाहर की आवाज अंदर नहीं आती है और पीछे से आ रही गाड़ी के शिकार हो जाते हैं। चाहे ट्रेन की आवाज हो या फिर बस या ट्रक की,100 डेसिबेल के बाद बाहर की आवाज कान के अंदर नहीं पहुंच पाती है। 85 डेसिबेल से ज्यादा की आवाज नुकसानदायक है।

किससे कितनी आवाज

औसतन घर की आवाज: 40 डेसिबेल

नॉर्मल बातचीत, बैकग्राडंउ म्यूजिक: 60 डेसिबेल

ऑफिस में आवाज: 70 डेसिबेल

वैक्यूम क्लीनर: 75 डेसिबेल

चिल्लाना: 90 से 95 डेसिबेल

हैवी ट्रैफिक: 80 से 90 डेसिबेल

ट्रक का हॉर्न: 90 डेसिबेल

डिस्को: 100 डेसिबेल

स्टीरियो हेडफोन: 105 डेसिबेल

मोटरसाइकिल: 95 से 100 डेसिबेल

कार रेस: 130 डेसिबेल

शब्द सामर्थ्य -037

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

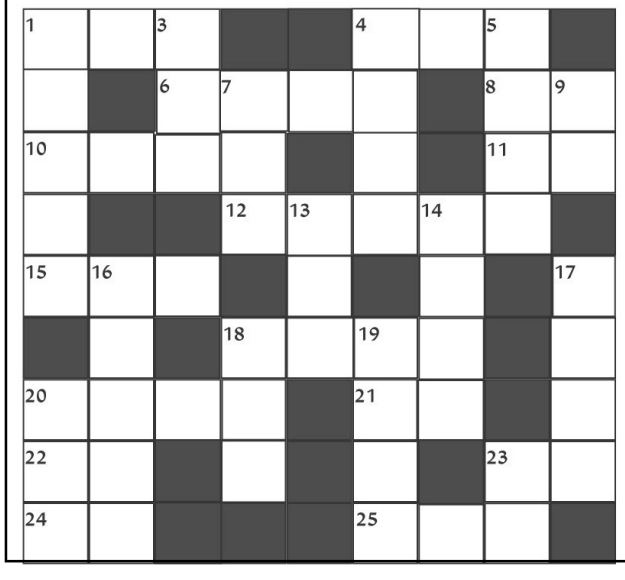

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 36 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

नंदिनी ठाकुर ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा में निभाएंगी खास किरदार

टेलीविजन की दुनिया में हर नए शो के साथ दर्शकों को नई कहानियां और नए किरदार देखने को मिलते हैं। इन दिनों छोटे पर्दे पर एक नया शो ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा चर्चा में बना हुआ है। अब इस शो से जुड़ी एक नई जानकारी सामने आई है। दरअसल, अभिनेत्री नंदिनी ठाकुर भी इस कहानी का हिस्सा बनने जा रही हैं। नंदिनी इससे पहले पुष्पा इम्पॉसिबल और उड़ने की आशा जैसे सीरियल्स में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींच चुकी हैं। इस नए शो में नंदिनी ठाकुर ईशा नाम की एक युवा लड़की का किरदार निभाएंगी, जो निडर है, रचनात्मक सोच रखती है और अपनी बात खुलकर कहने में विश्वास करती है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए नंदिनी ठाकुर ने कहा, मुझे ईशा का किरदार शुरू से ही बेहद पसंद आया। इस किरदार से मेरा एक अलग ही जुड़ाव है। ईशा सिर्फ अपने सपनों के पीछे भागने वाली लड़की नहीं है, बल्कि वह अपने आसपास के लोगों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। ईशा के अंदर महत्वाकांक्षा और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता है और यही बात इस किरदार को खास बनाती है। शो में ईशा एक डिजाइनिंग दफ्तर में काम करती हुई नजर आएगी। वहां वह अपने साथ काम करने वाले लोगों को नई चीजें बनाने और रचनात्मक तरीके से सोचने में मदद करती है। नंदिनी ने कहा, यह किरदार आज के युवाओं की सोच और आत्मविश्वास को काफी अच्छे तरीके से दिखाता है। इस शो में शब्बीर अहलूवालिया, श्रीति झा और ऐश्वर्या राज भाकुनी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी अपराजिता (श्रीति झा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक कड़वे अतीत के बाद अपनी जिंदगी फिर से शुरू करती है। इस दौरान उसकी मुलाकात रक्षित (शब्बीर अहलूवालिया) नाम के एक बिजनेसमैन से होती है, जिसने प्यार से दूरी बना ली है। धीरे-धीरे दोनों की जिंदगी एक-दूसरे से जुड़ने लगती है। ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा सोमवार से रविवार, रात ८:०० बजे स्टार प्लस और जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होता है।

बेहद ग्लैमरस हैं सनी देओल की ऑन-स्क्रीन बहू!

सिमरत कौर ने फिल्म गदर 2 से खूब सुर्खियां बटोरी. फिल्म में उन्होंने सनी देओल की बहू का रोल प्ले किया था. फिल्म में सिमरत ने सादगी भरें अंदाज से दर्शकों का दिल जीत लिया था. वहीं रियल लाइफ में वो बेहद ही ग्लैमरस हैं. हाल ही में उन्होंने बिकनी में अपनी कई फोटोज शेयर की हैं. सिमरत कौर ने इंस्टाग्राम पर अपनी ये फोटोज शेयर कर सभी का ध्यान खींच लिया है. सिमरत ने मल्टीकलर प्रिंटेड बिकिनी टॉप और स्कर्ट पहना है. जिसमें वो काफी स्टाइलिश दिख रही हैं. फोटोज में सिमरत बीच पर कॉन्फिडेंट अंदाज में नजर आ रही हैं. उन्होंने कई पोज दिए हैं. एक फोटो में एक्ट्रेस सन किस्ड लेती नजर आ रही हैं. उनके चेहर पर ग्लो भी साफ नजर आ रहा है. वहीं दूसरी में वो कॉन्फिडेंट अंदाज में सेल्फी लेती दिखीं. नो मेकअप लुक में एक्ट्रेस काफी खूबसूरत लग रही हैं. उनकी इन फोटोज ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है. फैंस इन्हें खूब पसंद कर रहे हैं. बता दें, सिमरत सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 1.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं.

अनुपम खेर ने किया नई फिल्म का ऐलान, शीर्षक के साथ दिखाई पहली झलक

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर पिछले काफी समय से खोसला की घोसला 2 में व्यस्त चल रहे थे। कुछ दिन पहले इसकी रिलीज तारीख का ऐलान हुआ था कि फिल्म 28 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। इस बीच, अनुपम ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट साझा करते हुए बताया है कि यह उनकी 551वीं फिल्म होगी। साथ में फिल्म का शीर्षक और पहली झलक भी फैंस को दिखाई है। उन्होंने फिल्म का शीर्षक बताते हुए लिखा, फ्लिकर! फिल्म नंबर 551। और फिर भी... ऐसा लगता है जैसे मैं फिर से पहला कदम उठा रही हूं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर आप खुद को चुनौती नहीं देते... तो आप धीरे-धीरे खुद को दोहराने लगते हैं। इसलिए मैंने कठिन रास्ता चुना। खुद को फिर से गढ़ने के लिए... न सिर्फ अपने अंदर के अभिनेता को... बल्कि उस इंसान को भी जो मैं बन रहा हूं। अनुपम ने आगे लिखा, कहानी... फिलहाल... एक रहस्य रहेगी। लेकिन मैं आपसे वादा करता हूं कि जब यह आप तक पहुंचेगी, तो यह आपके साथ रहेगी। आज पहला दिन है। एक नई शुरुआत। हमेशा की तरह... मुझे आपके प्यार की ज़रूरत है। मुझे शुभकामनाएं दीजिए। मुझे इसकी जरूरत है! पोस्टर में दिग्गज अभिनेता को लंबी गाउन के साथ भारी गहने पहने देखा जा सकता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

नीतू चंद्रा तलाश रहीं अच्छी फिल्में

बिहार की एक सीधी-सादी लड़की से हॉलीवुड तक का सफर करने वाली अभिनेत्री नीतू चंद्रा को अब अच्छी फिल्मों की तलाश है। उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लेने की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा है कि वे अच्छी फिल्मों की तलाश में हैं और इसमें समय लगता है। गरम मसाला, ट्रैफिक सिग्नल और ओए लकी! लकी ओए! जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने बताया कि उनका ध्यान हमेशा सार्थक काम पर रहा है, न कि स्टारडम की दूसरी चकाचौंध और अनावश्यक बाहरी दिखावे पर। अपने ब्रेक लेने की धारणा पर बात करते हुए उन्होंने साफ किया, मैंने कोई ब्रेक नहीं लिया। मैं अच्छी फिल्मों की तलाश करती रहती हूं। उन्होंने आगे कहा, आप यह नहीं समझते कि बिहार से आई एक लड़की को, जो बिल्कुल साधारण बैकग्राउंड से आती है, हॉलीवुड तक पहुंचने में कितना समय लगा होगा।

अपने सफर के बारे में नीतू चंद्रा ने कहा, आज मैं फिर उसी जगह खड़ी हूं, जहां मैं आप सबसे दोबारा मिल पा रही हूं। मेरे पास एयरपोर्ट लुक्स के लिए समय नहीं है। मेरे पास अपने अगले प्रोजेक्ट पर ध्यान देने का समय है। मैं सही काम चुनने में अपना समय लगाती हूं, ताकि मैं दर्शकों के लिए हमेशा कुछ सार्थक ला सकूं।

अपनी मुश्किलों के बारे में बात करते हुए नीतू ने कहा, इसमें बहुत समय लगता है। आपको यह समझना होगा कि अकेले खड़े होने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए होती है। एक मिडिल-क्लास जॉइंट फैमिली की लड़की का दुनिया घूमना और यहां तक पहुंचना, अकेले लडऩा आसान नहीं होता।

एक्ट्रेस ने कहा कि जिंदगी में और काम के मामले में उनका मकसद हमेशा साफ रहा है। उन्होंने कहा, मेरी जिंदगी का मकसद, मेरा लक्ष्य, हमेशा अच्छा काम करते रहना और दर्शकों का प्यार पाते रहना रहा है। मैं इसी प्यार की वजह से यहां हूं।

बताते चलें कि नीतू चंद्रा आने वाली फिल्म खलनायक 2 में संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

रश्मि देसाई बोलीं , मैं सिंगल हूं, लेकिन मजबूत हूं

रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है।

हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।

अभिनेत्री ने कहा, जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए।

इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए। रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुई। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं।

सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है। उन्होंने कहा, एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं। जिंदगी में मुश्किलें सभी के सामने आती हैं, लेकिन जरूरी यह है कि इंसान उनका सामना कैसे करता है।

रश्मि ने कहा, हर कलाकार का अपना एक तरीका और सोच होती है। मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर आयोग सख्त

रुद्रपुर(आरएनएस)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीबीआरसी ने वर्चुअल समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी जिलाधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों, नगर आयुक्तों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों तथा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक पूरा कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बीएलओ को बेहतर प्रशिक्षण दिया जाए ताकि फील्ड स्तर पर कार्य के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि न हो। साथ ही पुनरीक्षण कार्य के दौरान राजनीतिक दलों के बीएलए की उपस्थिति करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि यदि किसी त्रुटि के कारण किसी मतदाता का नाम निर्वाचन नामावली से कट गया है तो उसे तत्काल जोड़ा जाए। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी देने के निर्देश दिए, ताकि बाद में किसी प्रकार की भ्रांति की स्थिति न बने। बैठक में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र सिंह अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

असम के वैज्ञानिकों ने देखी मूंगा रेशम की खेती

बागेश्वर(आरएनएस)। असम के वैज्ञानिकों ने देवकी लघु वाटिका में मूंगा रेशम की खेती का अवलोकन किया गया, वैज्ञानिकों के दल ने सराहना करते हुए उत्तराखंड के लिए इसे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ रोजगार के लिए भी लाभकारी बताया। दल ने कपकोट का भी भ्रमण कर किसानों को अनेक जानकारी मूंगा रेशम की दी और बताया कि मूंगा रेशम सबसे कीमती होने के साथ ही आसाम का जीआई टैग प्राप्त है। किशन सिंह मलड़ा ने मूंगा रेशम की खेती के बारे में बताया एवं अपनाने की अपील करते हुए सभी मूंगा रेशम से जुड़े किसानों का धन्यवावद किया तथा मूंगा रेशम के साथ हल्दी, कपूर कचरि, अदरक, गडेरी, पिनालु, अरबी प्रजाती, लेमन ग्रास, ऐलोबरा, रोजमैरि आदि संयुक्त फसलों के उत्पादन को आसाम में भी अपनाने की सहमति जताई। बागेश्वर उत्तराखंड मूंगा रेशम के क्षेत्र में उत्तर पूर्व भारत के लिए एक बीज क्षेत्र बनने की बात बैज्ञानिकों ने कही। वाटिका में देवकी देवी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर बैज्ञानिकों का स्वागत किया। उन्होंने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस मौके पर वृक्ष पुरुष किशन सिंह मलड़ा, डॉ. विजय एन, डॉ. पुलक राभा, डॉ. विक्रम कुमार, बृजेश रतूड़ी, प्रभारी निरीक्षक रेशम बागेश्वर कमलेश कुमार, निरीक्षक आदि मौजूद रहे।

सू- दोकू क्र.037

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.36का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

मानसून से पहले प्रशासन अलर्ट, डीएम कोंडे ने सभी विभागों को व्यापक तैयारियों के निर्देश

बागेश्वर(आरएनएस)। डीएम आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक में आगामी वर्षा ऋतु के दौरान संभावित आपदा परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने को लेकर विस्तृत रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मानसून अवधि में जनजीवन प्रभावित न हो, इसके लिए सभी विभाग समन्वित रूप से सतर्कता एवं तत्परता के साथ कार्य करें।

जिलाधिकारी ने संवेदनशील एवं भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क निर्माणदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि संवेदनशील मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर पर्याप्त संख्या में जेसीबी मशीनें तैनात रखने की तैयारी की जाए तथा सभी जेसीबी ऑपरेटरों की संपर्क सूची जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए, ताकि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई संभव हो सके।

बैठक में पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य सेवाओं और सड़क संपर्क व्यवस्था को मानसून अवधि में सुचारु बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने नगर निकायों एवं संबंधित विभागों को नालियों एवं सड़क किनारे जल निकासी तंत्र की व्यापक सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। वहीं विद्युत विभाग को आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में तत्काल बहाली सुनिश्चित करने को कहा गया।

स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने मानसून अवधि में संभावित प्रसव वाली गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) तैयार करने, आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त भंडारण रखने तथा चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। जिला पूर्ति अधिकारी को संभावित आपदा प्रभावित क्षेत्रों में अग्रिम खाद्यान्न उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में शिक्षा एवं बाल विकास विभागों को भी विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई। मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी को संवेदनशील विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर उनकी सुरक्षा संबंधी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने को कहा गया। साथ ही जिले के सभी पुलों एवं पुलियों की स्थिति की अद्यतन रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने राजस्व, पुलिस, आपदा प्रबंधन तथा अन्य संबंधित विभागों को किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी आईआरएस (ढ्ढ्ठष्ढ्ढ-स्नद्गठ्ठह्ल ऋद्धह्यश्चशठ्ठह्यद्ग स्4ह्यह्लद्गद्व) टीमें पूर्ण सक्रियता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने सभी तहसीलों में कंट्रोल रूम, सैटेलाइट फोन एवं वायरलेस संचार प्रणाली को सक्रिय रखने तथा आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त संचार विहीन गांवों की सूची तत्काल उपलब्ध कराने को भी कहा गया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आर सी तिवारी, अपर जिलाधिकारी एन एस नबियाल, सभी उपजिलाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीजल-पेट्रोल के बाद खाद्य पदार्थ महंगे होने की चिंता

ऋषिकेश(आरएनएस)। डीजल-पेट्रोल के दाम में तीन-तीन रुपये का इजाफा होते ही स्थानीय लोगों को एक बार फिर महंगाई बढ़ने का डर सता रहा है। पहले ही हाथों से बाहर जा चुकी फल-सब्जी और अन्य खाद्य पदार्थ खरीदना उन्हें मुश्किल लग रहा है। सवारी वाहनों के किराये में भी बढ़ोतरी की आशंका के बीच रोजाना सफर करने वाले नौकरी-पेशा लोगों के चेहरों पर भी सिकन नजर आ रही है। स्थानीय लोगों की मानें तो डीजल-पेट्रोल की दर बढ़ने का सीधा असर खाद्य पदार्थों पर होता है। मालवाहक वाहनों की ढुलाई महंगी होने से फल-सब्जी आदि खाद्य पदार्थों के दाम में भी अक्सर उछाल आया है। खासक गृहिणी महिलाएं ज्यादा परेशान हैं। उन्हें घर की रसोई का बजट भी बिगड़ने की आशंका सता रही है। हालांकि, खाड़ी देशों युद्ध के बाद उपजे इन हालातों में सुधार की उम्मीद भी स्थानीय लोगों को है। महिलाओं का कहना है कि युद्ध जैसे हालात शांत होने के साथ ही डीजल-पेट्रोल आयात के रास्ते पूरी तरह से खुलने पर सरकार डीजल-पेट्रोल के दामों में रियायत भी दे सकती है, लेकिन फिलहाल एकाएक बढ़े डीजल-पेट्रोल के दरों ने मुश्किलों को जरूर बढ़ा दिया है।

डीएम ने मानसून में आपदा से निपटने की तैयारी रखने के निर्देश

नई टिहरी(आरएनएस)। कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम नितिका खंडेलवाल और जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण की अध्यक्षता जिला आपदा प्रबंधन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय अधिकारियों को मानसून सीजन में सभी तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए गए।

डीएम ने मानसून में आपात स्थिति में दूर संचार सेवाओं की सुचारु उपलब्धता के लिए सैटेलाइट फोन की मॉक ड्रिल करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि पिछले वर्ष कराए गए आपदा कार्यों का निरीक्षण किया जाना चाहिए। एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी ने विभागवार तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिला एवं तहसील स्तर के कंट्रोल रूम नंबर सार्वजनिक करने और कंट्रोल रूम में तैनात कार्मिकों को आपदा के दौरान अपनी भूमिका से अवगत कराने को कहा।

लोनिवि को जेसीबी मशीनों की लोकेशन और ऑपरेटरों के संपर्क नंबर उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य विभाग को डेंगू नियंत्रण की तैयारी करने और स्कूलों में बच्चों को आपदा के प्रति संवेदनशील बनाने के निर्देश दिए। पेयजल विभाग को लाइनें क्षतिग्रस्त होने पर शीघ्र मरम्मत करने, ऊर्जा निगम को विद्युत लाइनों की नियमित निगरानी करने और पालिकाओं को सभी नालियों की सफाई करने और ड्रेनेज व्यवस्था दुरुस्त रखने, पुलिस को आपदा उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित करें, अवैध खनन पर नजर रखने और खोज एवं बचाव कार्य के लिए सभी उपकरण तैयार रखने के निर्देश दिए गए। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में शेल्टर होम के रूप में सामुदायिक केंद्र, पंचायत घर और स्कूल भवनों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने, जिला पंचायत को पैदल मार्गों की सफाई और रखरखाव करने, खाद्य आपूर्ति विभाग को राहत सामग्री की उपलब्धता बनाए रखने को कहा गया है।

बैठक में सीडीओ वरुणा अग्रवाल, डीएफओ पुनीत तोमर, एएसपी दीपक कुमार और डीएसओ मनोज डोभाल आदि मौजूद थे।

बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर भड़के राज्य आंदोलनकारी

ऋषिकेश(आरएनएस)। उत्तराखंड में बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर राज्य आंदोलनकारियों ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने चेताया कि अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा।

आईएसबीटी परिसर स्थित शहीद स्मारक भवन में राज्य आंदोलनकारियों ने बैठक आयोजित की। शहीद स्मारक समिति के अध्यक्ष डीएस गुसाईं ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों की शहादत की बदौलत ही उत्तराखंड राज्य का गठन हो पाया, लेकिन राज्य गठन के 26 वर्ष पूर्ण होने के बाद भी राज्य आंदोलन के शहीदों को सही सम्मान नहीं मिल पाया है। उन शहीदों ने जिस प्रकार के राज्य का सपना देखा था, वह सपना आज भी अधूरा ही है।

राज्य के मंत्री अपने आप में मस्त है, उन्हें जनता से कोई लेना देना नहीं है। उत्तराखंड में जगह जगह जमीनों पर कब्जा, हत्या, रेप जैसी वारदातें हो रही है। उत्तराखंड पुलिस अपराध पर नियंत्रण नहीं लगा पा रही है। कहा कि अगर जल्द ही बढ़ते अपराध पर नियंत्रण और अपराधियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों को १० प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण, भू-कानून, मूल निवास आदि के कार्य किए जाए।

मौके पर गंभीर मेवाड़, बलवीर सिंह नेगी, युद्धवीर सिंह चौहान, बेताल सिंह धनाई, राजेंद्र कोठारी, प्रेम सिंह रावत, हरि सिंह नेगी, मायाराम उनियाल, सीताराम भट्ट, बृजेश डोभाल, बिशमबर दत्त डोभाल, रामेश्वरी चौहान, कुसुम लता शर्मा, लक्ष्मी बूढ़ा कोटी, उर्मिला डबराल, सुशीला पोखरियाल, सुशील राणा, विमल बहुगुणा, प्रेमा नेगी, राजेश्वरी बिष्ट, यशोदा नेगी, रविंदर कौर आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में डोईवाला क्षेत्र से विधायक बृज भूषण गैरोला ने मुलाक़ात की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में पौड़ी विधानसभा क्षेत्र से विधायक राजकुमार पोरी ने मुलाक़ात की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र से विधायक विनोद कंडारी ने मुलाक़ात की।

तीन दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने तीन स्थानों से तीन दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोती बाजार निवासी संजीव कुमार शर्मा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से दर्शनी गेट गया था। उसने अपनी एक्टिवा एक दुकान के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। वहीं नीलकंठ कालोनी निवासी अमित कालूरा ने क्लेमनटाउन थाने में अपने घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। इसके साथ ही बनियावाला निवासी रतन ने अपने घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा बसंत विहार थाने में दर्ज कराया।

पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

'पहाड़' के आशियानों से रूठी ..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

गांवों से जब इंसानों की रौनक खत्म हुई, तो घन्दूणी की चहचहाहट भी धीरे-धीरे यादों में बदलने लगी है। यदि गांवों में पारंपरिक आंगन, पेड़-पौधे और स्थानीय वातावरण को बचाने की दिशा में प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाले समय में गौरैया सिर्फ किताबों और यादों तक सीमित होकर रह जाएगी।

उत्तराखंड के कई गांवों में घर बंद पड़े हैं और आंगन सूने हो चुके हैं। ऐसे में घन्दूणी का गांवों से दूर होना लोगों को भावनात्मक रूप से भी प्रभावित कर रहा है। आज भी कई बुजुर्ग हर सुबह आंगन में कुछ दाने डाल देते हैं। शायद इस उम्मीद में कि कभी फिर घन्दूणी लौटेगी और उसके साथ लौट आएगा पहाड़ का पुराना जीवन, पुरानी गर्माहट और वह खोई हुई रौनक।

कंक्रीट के जंगल से उजड़ा आशियाना: उत्तराखंड के देहरादून, हल्द्वानी, हरिद्वार में तो कंक्रीट के मकानों और मोबाइल टावरों के रेडिएशन ने गौरैया को पहले ही गायब कर दिया था, लेकिन अब पहाड़ के ग्रामीण इलाकों में भी घन्दूणी का वजूद खतरे में है। कहते है कि जब किसी गांव से पलायन होता है और घरों पर ताले लटक जाते हैं, तो वहां खेती बंद हो जाती है। घन्दूणी को इंसानों के बीच रहने और उनके आंगनों से दाना चुगने की आदत होती है। इंसानों के जाते ही यह चिड़ियां भी भूखी मर जाती हैं या वहां से पलायन कर जाती हैं। पहाड़ के पुराने तिबारी वाले मकानों की छतों और कड़ियों के बीच गौरैया आसानी से घोंसला बना लेती थी। अब वहां भी सीमेंट के पक्के लेंटर वाले मकान बन रहे हैं, जिनमें इस नन्हीं चिड़िया के लिए कोई कोना नहीं बचा हुआ है।

'इलेक्ट्रिक वाहन से निकले कैबिनेट मंत्री, सैनिक कल्याण निदेशालय का किया औचक निरीक्षण'

हमारे संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईंधन बचत एवं पर्यावरण संरक्षण के आह्वान को आत्मसात करते हुए आज अपने आसपास के दैनिक कार्यक्रमों के लिए दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग किया। इसी क्रम में वह अचानक कालीदास रोड स्थित सैनिक कल्याण निदेशालय पहुंचे, जहां विभागीय मंत्री को अचानक अपने बीच देखकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हलचल मच गई।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने निदेशालय का औचक निरीक्षण कर विभागीय कार्यों की जानकारी ली तथा अधिकारियों को व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा आज समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है तथा सभी को इस दिशा में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सप्ताह में एक दिन शनिवार को "नो व्हीकल डे" अपनाने की अपील करते हुए सार्वजनिक परिवहन एवं इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिकाधिक उपयोग करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने ऊर्जा संरक्षण की दिशा में सप्ताह में एक दिन आंशिक "वर्क फ्रॉम होम" प्रणाली के माध्यम से कार्य करने पर भी जोर दिया। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे "मेरा भारत, मेरा योगदान" अभियान के तहत छोटे-छोटे प्रयास भी देशहित एवं पर्यावरण संरक्षण में बड़ा योगदान साबित हो सकते हैं।

चरस सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 105 ग्राम चरस बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीती रात थाना कपकोट पुलिस द्वारा नशा तस्करी की एक सूचना के बाद क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को बाइक सवार एक संदिग्ध आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 105 ग्राम चरस बरामद हुई पूछताछ में उसने अपना नाम मौ. जुबेर पुत्र मौ. इलियास निवासी वार्ड नं. 24 शेखपुर थाना बहेडी जिला बरेली उत्तर प्रदेश हाल निवासी असो थाना कपकोट बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने त्यागी फार्म हाउस के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 52 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम विक्रांत पुत्र सुशील निवासी बाबूगढ चुंगी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मकान का ताला तोड नगदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्कड घाट श्यामपुर निवासी राजेश चन्द रमोला ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से नगदी व जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चोपड़ा ने रामेश्वर धाम पहुंचकर रामेश्वर नंद सरस्वती का लिया आशीर्वाद

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय चोपडा ने रामेश्वर धाम पहुंचकर महामंडलेश्वर 1008 रामेश्वर नंद सरस्वती महाराज से साथियों सहित आशीर्वाद लिया।

आज यहा रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारी का सामूहिक एक मात्र संगठन लघु व्यापार एसो के नौवीं बार निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष संजय चोपड़ा लघु व्यापारियों द्वारा बनाए जाने के उपरांत कनखल सन्यास रोड रामेश्वर धाम पहुंचकर महामंडलेश्वर 1008 रामेश्वर नंद सरस्वती महाराज से साथियों सहित आशीर्वाद लिया।

रामेश्वर धाम में गुजरात समाज द्वारा पुरुषोत्तम मास के प्रथम दिन भागवत सप्ताह के आयोजन में व्यास गद्दी विशेष पूजा अर्चना में भी महामंडलेश्वर 1008 रामेश्वर महाराज के सानिध्य में लघु व्यापार एसो के प्रांतीय अध्यक्ष संजय

चोपड़ा ने साथियों सहित अपना प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर महामंडलेश्वर 1008 रामेश्वर नंद सरस्वती महाराज ने कहा मां गंगा के समीप आनंदवन में श्रीमद् भागवत कथा का प्रथम प्रकाश प्रारंभ किया गया था। उसके उपरांत देश दुनिया में श्रीमद् भागवत कथा का गुणगान का सरवन मानव करते चले आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरुषोत्तम मास में मां गंगा के दर्शन के साथ दक्षिणेश्वर महादेव मनसा देवी, चंडी देवी, ब्रह्म कुंड में स्नान करने से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति का सौभाग्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा छोटे-छोटे कारोबारी रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर लघु व्यापारियों को पूरे उत्तराखंड में संगठित कर संजय चोपड़ा ने एक नई पहचान लघु व्यापारियों की बनाई है उसकी सराहना की जाती है। उन्होंने कहा समाज में नशा मुक्ति के खिलाफ संत समाज में सामाजिक संगठनों को संयुक्त रूप से साथ लेकर नए युवा युवितयों को अध्यात्म से जोड़ने के अभियान चलाएंगे।

चारधाम यात्रा: आबकारी विभाग का अभियान, 69 लीटर शराब बरामद

❑विभिन्न क्षेत्रों में 142 से अधिक बार की गई छापेमारी की कार्रवाई

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के उद्देश्य से जनपद रुद्रप्रयाग में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी रमेश बंगवाल के मार्गदर्शन में विभाग की टीम लगातार जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी और सघन चेकिंग अभियान संचालित कर रही है।

आबकारी विभाग द्वारा चलाये गये अभियान के तहत अब तक करीब 69 लीटर अवैध शराब बरामद की जा चुकी है, जिसकी अनुमानित कीमत 96 हजार रुपये से अधिक है। विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई करते हुए जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में 142 से अधिक छापेमारी की कार्रवाई की गई है। इन कार्रवाइयों के दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अज्ञात आरोपी की तलाश जारी है। विभाग की टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं।

जिला आबकारी अधिकारी रमेश बंगवाल ने बताया कि चारधाम यात्रा के मद्देनजर विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा 8 अप्रैल से लेकर 17 मई तक लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान बाहरी राज्यों एवं अन्य जनपदों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं, ऐसे में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनपद में किसी भी स्थिति में अवैध शराब की बिक्री नहीं होने दी जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि आबकारी विभाग की टीमें लगातार होटल, ढाबों, दुकानों, यात्रा मार्गों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में निरीक्षण कर रही हैं। इसके अलावा पुलिस एवं प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर संयुक्त अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

युवक ने गंगनहर में लगाई छलांग

❑जल पुलिस और गोताखोर तलाश में जुट

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बीमारी से जूझ रहे एक युवक ने मेहवड़-कलियर के बीच गंगनहर में छलांग लगा दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने जल पुलिस और गोताखोरों की टीम के साथ युवक की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कासगंज अलीगढ़ उत्तर प्रदेश निवासी हेम सिंह (32) पिछले कुछ समय से किडनी की गंभीर बीमारी से ग्रसित था। वह अपने भाई ओम शंकर के साथ बाइक से उपचार के लिए ऋषिकेश एम्स जा रहा था।

बताया जा रहा है कि मेहवड़-कलियर के बीच निर्माणाधीन पुल के पास पहुंचने पर हेम सिंह ने भाई से टॉयलेट जाने की बात कहकर बाइक रुकवाई और इसी दौरान उसने अचानक गंगनहर में छलांग लगा दी। भाई ओम शंकर ने शोर मचाते हुए उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन तेज बहाव के चलते युवक देखते ही देखते पानी में डुबकर लापता हो गया।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जल पुलिस व गोताखोरों की मदद से सर्च अभियान शुरू कराया। कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने बताया कि गंगनहर में डूबकर लापता हुए युवक की तलाश की जा रही है।

स्मैक तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा-2026 के सुगम तथा सुरक्षित संचालन हेतु पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में उत्तरकाशी पुलिस द्वारा यात्रा मार्गों पर विशेष चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। नशा, मादक पदार्थों की अवैध तस्करी, संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। नशामुक्त अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2026 मे अभी तक उत्तरकाशी पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के 17 मामलों में 20 तस्करों को गिरफ्तार कर 8 किलो से अधिक चरस तथा 32.5 ग्राम स्मैक बरामद बरामद की गयी है। 4 तस्करों पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के साथ अवैध अफीम खेती पर 31 भू-स्वामियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किये गये हैं। इसी क्रम में पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी, श्री जनक सिंह पंवार के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक धरासू के नेतृत्व में धरासू पुलिस टीम द्वारा नशे के विरुद्ध एक और कार्रवाई करते हुये देर सांय को गंगोत्री नेशनल हाईवे, धरासू बैण्ड के समीप मरगांव को जाने वाले मार्ग के पास से स्मैक की तस्करी करते हुए शिवओम नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया गया। युवक के कब्जे से 5.21 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर आरोपी के विरुद्ध कोतवाली धरासू में एनडीपीएस की धारा 8/21 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पूछताछ में उसने अपना नाम शिवओम नौटियाल पुत्र नरेश मणि नौटियाल, निवासी जोशियाडा उत्तरकाशी बताया।

श्रमिकों की आड़ में उपद्रव करने वाले 3 उपद्रवी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। श्रमिकों की आड में उपद्रव करने वाले तीन उपद्रवियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आज यहां डिक्सन फैक्ट्री में श्रमिकों द्वारा अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा था, जिसमें श्रमिकों की आड़ में कुछ उपद्रवी लोगों द्वारा फैक्ट्री परिसर व पुलिस पर पथराव किया गया। जिसके संबंध में थाना सेलाकुई पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था, उक्त घटना में शामिल उपद्रवियों की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा थानाध्यक्ष सेलाकुई को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ लोग संगठित

होकर कम्पनियों व मोहल्लो में जाकर, कम्पनियों में कार्य करने वाले श्रमिकों को भड़का रहे है और काम पर जाने वाले लोगो को काम में जाने से रोकने के लिए उनके साथ जोर जबरदस्ती कर मारपीट पर उतारु हो रहे है। उक्त व्यक्तियों में से कुछ पूर्व में पत्थरबाजी की घटना में भी शामिल थे। उक्त सूचना पर पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुँचा, मौके पर कुछ व्यक्तियों द्वारा एकराय व संगठित होकर शान्ति एवं कानून व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया जा रहा था, जो किसी प्रकार का संज्ञेय अपराध कारित कर सकते थे तथा पुनः पत्थर बाजी जैसी घटना व किसी अन्य प्रकार से लोक प्रशान्ति एवं कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न कर सकते थे, जिस पर पुलिस द्वारा मौके से 03 व्यक्तियों को ऑपरेशन प्रहार के अन्तर्गत धारा 170 बीएनएसएस में गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सलमान पुत्र गुलशेर निवासी अंबेडकर कालोनी जमनपुर, सेलाकुई, तैयब पुत्र आशिक खान निवासी कोरोकैय्या, थाना सिनौली, जिला शाहजहांपुर, उ.प्र. हाल पता जमनपुर, सेलाकुई, अजीम पुत्र वसीम अंसारी निवासी बहादरपुर, थाना मोहम्मदी, जिला लखीमपुर खीरी, उ.प्र. हाल पता जमनपुर, सेलाकुई बताया।

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त कार्मिकों को पत्र लिखकर दी शुभकामनाएं

संवाददाता

देहरादून। पुष्कर सिंह धामी ने बीते चार साल में सरकारी सेवा में चयनित हुए कार्मिकों को डिजिटल माध्यम से पत्र लिखकर, उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकानाएं प्रेषित की है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बीते चार साल में सरकारी सेवा में चयनित हुए कार्मिकों को डिजिटल माध्यम से पत्र लिखकर, उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकानाएं प्रेषित की है। मुख्यमंत्री धामी ने पत्र में कहा है कि उत्तराखण्ड की जनता द्वारा उन्हें वर्ष 2022 में दूसरी बार मुख्य सेवक का दायित्व सौंपा गया था। इस जनादेश की भावना के अनुसार कार्यभार ग्रहण करने के दिन से ही प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या को समाप्त करने के लिए, सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती का व्यापक अभियान शुरु किया गया। इसके बाद बीते चार साल में राज्य सरकार द्वारा लगभग 30 हजार से अधिक युवाओं को राजकीय सेवक के रूप में नियुक्ति प्रदान की जा चुकी है, यह अभियान आगे भी जारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पत्र में कहा है कि अब युवा अपनी शानदार प्रतिभा और कठोर मेहनत के आधार पर राजकीय सेवा में चयनित हो रहे हैं। इस योग्यतम चयन में जहाँ एक ओर युवाओं की

मेहनत और प्रतिभा का योगदान है, वहीं राज्य सरकार के कठोर नकल विरोधी कानून के साथ ही निष्पक्ष, ईमानदार और पारदर्शी चयन प्रक्रिया ने भी युवा प्रतिभा को उचित सम्मान मिलना सुनिश्चित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उत्तराखण्ड राज्य के राजकीय सेवक के रूप में चयन होना सभी कार्मिकों के परिवार के साथ ही राज्य सरकार के लिए भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उन्होंने चयनित कार्मिकों से निष्पक्ष एवं ईमानदार रहकर अपने राजकीय दायित्वों का निर्वहन करने की अपील करते हुए कहा है कि राजकीय सेवक के रूप में वो मानवीय मूल्यों के साथ आमजन की सेवा में हमेशा तत्पर रहें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कई चयनित युवाओं से दूरभाष पर बात कर, उन्हें उत्साह पूर्वक जनसेवा में योगदान देने की भी अपील की है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।